NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2024

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours 100 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 11 pages. Please check that your question paper is complete.
2. Read the instructions to each question carefully.
3. Answer all sections.
4. All answers must be written in the Hindi script.
5. Number your answers exactly as the questions are numbered.
6. Please leave a line after each section.
7. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your Answer Book.
8. It is in your own interest to write legibly and to present your work neatly.

IEB Copyright © 2024

भाग क

प्रश्न एक

नीचे दिए गए पाठ को ध्यान से पढ़ों और प्रश्नों के उत्तर दिजिएः

ताजमहल

मदन और कमला अपने मामाजी के साथ ताजमहल देखने आगरा जा रहे थे । ताजमहल का नाम और उसकी प्रशंसा वे बहुत बार सुन चुके थे । उन्होंने किताबों में ताजमहल के चित्र भी देखे थे । परंतु उसे देखने का यह उनका पहला ही अवसर था ।

"हम कितने बजे आगरा पहुँच जाएँगे, मामाजी?" गाड़ी चलने के कुछ ही देर बाद मदन ने पूछा ।

"लगभग दस बजे," कमला ने बताया ।

"इतनी देर लग जाएगी?" कमला ने कहा ।

"देखो भाई, आगरा दिल्ली से 194 किलोमीटर दूर है । इसलिए इतना समय तो लग ही जाएगा," मामाजी बोले । कमला और मदन तो चाहते थे कि गाड़ी जल्दी आगरा यहुँच जाए ।

गाड़ी तेज़ी से भागी जा रही थी । मामाजी मदन से पूछा, "अच्छा बताओ, ताजमहल किसने बनवाया ?"

"जी, शाहजाहँ ने," कमला जल्दी से बोल उठी ।

"शाहजाहँ ने ! मामजी, शाहजाहँ ने इसे क्यों बनवाया ?" मदन ने पूछा ।

IEB Copyright © 2024

मामाजी ने बताया - शाहजहाँ ने इसे अपनी बेगम मुमताज़महल की यादगार में बनवाया । वह मुमताज़महल को बहुत प्यार करता था । एक बार मुमताज़ बहुत बीमार पड़ गई और उसके बचने की कोई आशा न रही । उस समय उसने अपने पति से कहा, "मेरे मरने पर आप ऐसा मकबरा बनवाएँ, जिसके समान संसार में और कोई न हो ।" शाहजहाँ ने उसे वचन दे दिया । यही है वह मकबरा जिसे शाहजहाँ ने अपनी बेगम की यादगार में बनवाया था । बातों में समय जल्दी ही बीत गया । गाड़ी आगरा पहुँच गई । वे जल्दी-जल्दी स्टेशन से बाहर और ताजमहल जानेवाली बस में जा बैठे । रास्ते में कुछ दूर से ही ताजमहल का गुंबद दिखाने देने लगा तो बच्चे खुशी से चिल्ला उठे, "अहा ! वह रहा ताजमहल !"

बस से उतरकर जब वे लाल पत्थर से बने दरवाज़े के पास पहुँचे तो उसे देख चकित रह गए । इतना विशाल दरवाज़ा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था । अंदर घुसने ही ताजमहल पर बच्चों की निगाह पड़ी तो वे दंग रह गए । वे कुछ क्षणों तक चकित होकर उसे देखते रहे । चारों ओर हरियाली ही हरियाली थी । जगह-जगह रंग-बिरंगे फूल लगे हुए थे ।

सामने था संगमर्मर का एक विशाल चबूतरा, और चबूतरे पर वह सुंदर ताजा । चबूतरे के चारों कोनों पर ऊँची-ऊँची मीनारें थीं । मामाजी ने बच्चों को बताया कि मीनारों पर ऊपर चढ़ने के लिए सढ़ियाँ बनी हैं ।

अब वे जूते उतारकर चबूतरे पर चढ़ गए । ताजमहल के दरवाज़े और दीवारों पर बहुत ही सुंदर नक्काशी की हुई थी, जिसमें रंग-बिरंगे पत्थरों से फूल-पत्तियाँ बनी हुई थीं । मामजी बच्चों को ताजमहल के अंदर ले गए । वहाँ दो सुंदर कब्रे बनी हुई हैं ।

कब्रों पर फूल पड़े हुए थे । मामाजी ने कहा, "ये शाहजहाँ और मुमताज़महल की नकली कब्रें हैं । असली कब्रें इनके नीचे हैं । वहाँ अँधेरा है । लालटेन या मोमबत्ती के प्रकाश में ही तुम उन्हें देख सकते हो ।"

IEB Copyright © 2024

अब वे सीढ़ियाँ उतरकर असली कब्रें देखने गए । मोमबत्ती के प्रकाश में ही वे इन्हें देख पाए । गुंबद की छत पर जो बच्चों की निगाह पड़ी, तो वे देखते ही रह गए । वे बहुत देर तक छत और दीवारों की नक्काशी देखते रहे । बच्चों की आँखें प्रसन्नता से चमक रही थीं । ऐसा सुंदर मकबरा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था ।

अब मामाजी बच्चों को ताजमहल के पीछे के भाग में ले गए । उधर चबूतरे के नीचे लंबी और ऊँची दीवार से छूती हुई यमुना बह रही थी । बच्चों को यह दृश्य बहुत अच्छा लगा । कमला और मदन की निगाहें अब भी ताजमहल पर गड़ी हुई थीं ।

मामाजी ने कहा, "पता है तुम्हें, इसके बनने में कितने वर्ष लगे? पूरे बीस वर्ष । शाहजहाँ ने दूर-दूर से कुशल कारीगरों को बुलवाया था । लगभग बीस हज़ार मज़दूर बराबर काम में लगे रहे । सारा संगमर्मर मकराने की खानों से मँगवाया गया । जानते हो मकराना कहाँ है? मकराना राजस्थान में है । यद्यपि इसे बने तीन सौ बर्ष से भी ऊपर हो चुके हैं, पर लगता ऐसा है, मानो आज ही बना हो ।"

बच्चे बड़े ध्यान से मामाजी की बातें सुन रहे थे । मामाजी ने उठते हुए कहा, "चलो, धूप तेज़ हो गई है । हम फिर कभी इसे देखने आएँगे पर आएँगे, पूर्णिमा को । चाँदनी रात में इसे देखने का मज़ा कुछ और ही है । एक ओर पूर्णिमा का चाँद और चारों ओर छिटकी चाँदनी, दूसरी ओर धीरे-धीरे बहती यमुना और इसके बीच खड़ा चमकता हुआ सुंदर ताजमहल । बस, यह दृश्य चाँदनी रात में देखते ही बनता है ।"

[<https://jivanihindi.com/tajmahal-story-hindi/>]

IEB Copyright © 2024

१.१ कौन-कौन मामाजी के साथ यात्रा पर गया था ? (२)

१.२ ताजमहल कहाँ बनवाया गया ? (१)

१.३ मामाजी किस शहर में रहते हैं ? (१)

१.४ शाहजहाँ की पत्नी कौन थी ? (१)

१.५ शाहजहाँ की पत्नी की अंतिम इच्छा क्या था? कहानी से उद्धरण करो । (२)

१.६ बच्चे बस उतरकर चकित क्यों रह गए । (२)

१.७ ताजमहल का वर्णन कीजिये (३)

१.८ ताजमहल के बनाने में कितना समय लगा ? (१)

१.९ इसे बनाने में कितने मज़दूरी ने काम किया ? (१)

१.१० असली कब्रें कहाँ थे ? (२)

१.११ पास में खौन नदी बहती है ? (१)

१.१२ पूर्णिमा की रात ताजमहल का यात्रा करना क्यों सबसे अच्छा है ? (३)

[२०]

IEB Copyright © 2024

प्रश्न दो

निम्नलिखित सवालों के जवाब दिजिए:

२.१ खाली स्थानों में सही शब्द चुन कर लिखिए ।

का	के	कि	में	पर

२.१.१ बन्दर पेड़ ..... बैठा है । (१)

२.१.२ सीता ने कहा ..... उसकी माँ बिमार है । (१)

२.१.३ शेर वन ..... रहता है । (१)

२.१.४ तुलसीदासजी ..... विवाह रत्नवाली से हुआ । (१)

२.२ ईन शब्दों की पुलिंग श्ब्द लिखिए ।

२.२.१ धोड़ी (१)

२.२.२ शेरनी (१)

२.२.३ धोबिन (१)

२.३ नीचे लिखे वाक्यों को क्रम से लिखिए ।

२.३.१ भाई है मेरे जन्मदिन कल का । (२)

२.३.२ सुलाती बच्चे लोरी माँ गाकर को है । (२)

IEB Copyright © 2024

२.४ ईन शब्दों को एकवचन में लिखिए ।

२.४.१ नदियाँ (१)

२.४.२ आँखें (१)

२.४.३ पत्ते (१)

२.५ वाक्यों का सही काल लिखिए । कोष्ठक में से उत्तर चुनिये ।
(भूतकाल, वर्तमान काल, भविष्यत काल)

२.५.१ शनिवार को हम शहर जायेंगे । (२)

२.५.२ माताजी तरकारी और रोटी पकाती हैं । (२)

२.५.३ राधा ने पाठ लिखा । (२)

२.६ शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए ।

२.६.१ जल में रहने वाला । (२)

२.६.२ झूठ बोलने वाला । (२)

२.७ सही मुहावरा चुनकर अंग्रजी वाक्य से मिलाइये ।

२.७.१ दंग रह जाना	To be overjoyed	(२)
२.७.२ ऊँट के मुँह में जीरा	To be stunned	(२)
२.७.३ फूला न समाना`	A drop in the ocean	(२)

IEB Copyright © 2024

२.८ चित्र वर्णन

निम्नलिखित चित्र को देखकर प्रश्ननों का उत्तर लिखिए



[<https://in.pinterest.com/pin/240309330101412258/>]

२.८.१ चित्र में कितने लोग हैं ? (१)

२.८.२ वच्चा के हाथ में क्या है ? (१)

२.८.३ माँ कहा खड़ी है ? (१)

२.८.४ बच्चा का नाम क्या है ? (१)

२.८.५ बच्चे किसके निछे खड़े है ? (१)

२.८.६ माँ बच्चे को क्या बोलती है ? (१)

२.८.७ पेड़ों का महत्व बताए । (४)

[४०]

IEB Copyright © 2024

भाग ख

साहित्य

प्रश्न ३ – कविता

३.१ मक्खी की सीख

३.१.१ कवयित्री कौन है ? (१)

३.१.२ इस कविता में कितने छंद है ? (१)

३.१.३ मक्खी ने क्या किया ? (२)

३.१.४ शेर ने कैसी प्रतिक्रिया (react) दी ? (२)

३.१.५ बताओ शेर ने मक्खी से क्या सबक सीखा ? (२)

३.२ हमारा प्यारा भारतवर्ष

इन पंक्तियों को अपनी शब्दों में समझाईए ।
सिन्धु-सा विस्तुत और अथाह एक निर्वासित का उत्साह ।
दे रही अभी दिखाई भग्न, भग्न, रत्नाकर में वह राह । (४)

IEB Copyright © 2024

३.३ **बापू के प्रति**

इन श्लोकों को अपनी शब्दों में समझाईए ।

कहें तुझे क्यों कर अपना ही,
तू तो भूमण्डल भर का,
सीमित कैसे हो सकता है
जन्म कहीं ऐसे नर का । (४)

३.४ क्षीराम – जन्म

इन पंक्तियों को अपनी शब्दों में समझाईए ।

सुनि सिसु रुदन परम प्रिय बानी । संभ्रम चलि आई सब रानी
हरषित जहँ तहँ धाई दासी । आनँद मगन सकल पुरवासी (४)

३.५ **चित्रकार और चित्र**

छंदों को सही क्रम में पुनर्व्यवस्थित (rearrange) करें ।

३.५.१ यमराज का मित्र आ गया (१)

३.५.२ जल्दी-जल्दी नाव चलाकर, निकल गया (१)

३.५.३ शेर बोला-नाव ज़रा ले रोक (१)

३.५.४ चित्रकार चित्र बना रहा था (१)

३.५.५ तुरंत उड़ गए होश (१)

३.५.६ बैठ गया वह पीठ फिराकर (१)

IEB Copyright © 2024

प्रश्न ४ – कहानियाँ

४.१ शिवाजी

४.१.१ शाहजी सबसे पहले किस नगर पर शासन किया था ? (१)

४.१.२ वह कितने घुड़-सवारी का अधिकारी था ? (१)

४.१.३ अहमद नगर को क्या हुआ ? (१)

४.१.४ उस समय मुसलमानों ने क्या किया ? (२)

४.१.५ बताइए कि शिवाजी ने क्या किया ? (३)

४.२ अर्गल की वीर रानी

४.२.१ सूबेदार क्या काम करता था ? (१)

४.२.२ राजा गौतम ने कर देने से इंनकार क्यों किया ? (२)

४.२.३ जब राजा गौतम ने सुना कि मुसलमान की सेना आ रही है, तो उसने क्या किया ? (३)

[४०]

कुल अंक: १००

IEB Copyright © 2024